THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI P. SHIV SHANKER): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) The Scheme of Improvement of Science Education in Schools was started in January 1988 and funds were first released to the States during 1987-88. An amount of Rs. 2 crores was released under the scheme to the Government of Orissa during 1987-88. During 1988-89 no funds could be released to the State Government of Orissa as complete proposals from the State Government were not received till the end of the year.

गुजरात में पर्यटन-विकास

228. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्यटन-विकास संबंधी राज्य-वार प्रस्ताव क्या हैं;

(ख) इस संबंध में गुजरात राज्य ने क्या मांगें रखी हैं;

(ग) क्या उन पर विचार किया गया है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा उन पर कब तक विचार किये जाने की सम्भावना है; और

(घ) क्या गुजरात में कच्छ, सौराष्ट्र अहमदपुर, मान्डवी और पर्यटक रुचि के अन्य स्थानों के विकास संबंधी केन्द्रीय सरकार की कोई योजनायें हैं अथवा सरकार ऐसी योजनाओं पर विचार करेगी ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) केन्द्रीय पर्यटन विभाग निधियों का आवंटन राज्यवार नहीं करता है, बल्कि स्कीमवार करता है।

(ख) और (ग) विभाग विभिन्न पर्यटक केन्द्रों पर पर्यटन आधार संरचना के निर्माण के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । गुजरात सरकार से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों के आधार पर विभाग ने सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं को मंजूरी दी है :

1. अहमपुर मांडवी में हवेली कुटीरें
2. बेत द्वारका में अल्पाहार-गृह
3. लिम्बडी में आवास सहित मार्गस्थ सुख-सुविधाएं
4. सोमनाथ में अल्पाहार-गृह
5. नारगोल में समुद्र-तट कुटीरें
6. अंकलेश्वर में मोटल
7. पाटन में अल्पाहार-गृह
8. तिथाल में कुटीरें
9. पावागढ़ में डोरमीटरी आवास
10. सासनगीर लायन सफारी पार्क हेतु मिनी बसें
11. डाकोर में यात्री निवास
12. अहमदाबाद में पतंग महोत्सव

(घ) जी, हां। विभाग ने गुजरात सरकार से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों के आधार पर क्रमशः 21.02 लाख रु. तथा 19 05 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर अहमदपुर मांडवी एवं ऐंजल वन्य जीव अभयारण्य (कच्छ) में परियोजनाओं को मंजूरी दी है। विभाग ने गुजरात सरकार के सहयोग से राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में नये यात्रा परिपथ के विकास हेतु एक योजना तैयार की है।

Indo-Nepal Relations

229. **DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY:**
SHRI KAILASH PATI MISHRA:
SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:
SHRI PUTTAPAGA RADHAKRISHNA:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indo-Nepal relations have strained in the recent years;

(b) whether there are some difficulties in the renewal of Indo-Nepal Treaty on Trade and Transit; and

(c) if so, what steps Government propose to take to normalise the relations keeping in view our age old historical and cultural ties with the Nepalese people?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) During the last few years, while India has made every effort to maintain the traditional, close and friendly relationship with Nepal, certain issues have cropped up and these need to be settled and solved.

(b) The old Treaties on trade and transit expired on March 23, 1989. A fresh draft of a treaty on Trade has been produced by Nepal and it is under consideration. India has suggested that negotiations for a new unified treaty for trade and transit should commence. Nepal has expressed a preference for two separate Treaties.

(c) Government are determined to solve all bilateral issues and problems with Nepal on the basis of respect for sovereignty, mutual trust, mutual benefit and reciprocity in understanding and safeguarding each other's interests and concerns.

नडियाद-कपड़वंज-मोडासा रेल परियोजना को पूरा किया जाना

230. **श्री मौर्जा इर्शादबेग**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1989-90 के दौरान नडियाद-कपड़वंज-मोडासा रेल परियोजना के लिये तीन करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है; और

(ख) इस परियोजना का कितना कार्य पूरा हो गया है तथा किस प्रकार का कार्य अभी भी लंबित पड़ा हुआ है तथा किन-किन विभागों में इस प्रकार का कार्य लंबित पड़ा हुआ है?

रेल मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) जी हां।

(ख) इस परियोजना पर अब तक कुल मिलकर 9 प्रतिशत प्रगति हुई है। भूमि अधिग्रहण, मिट्टी सम्बन्धी काम, पुल सम्बन्धी काम, सिगनल व्यवस्था, विद्युत तथा सिविल इंजीनियरी संबंधी अन्य सभी कार्य लम्बित पड़े हैं जो अधिकतर सिविल इंजीनियरी, सिगनल एवं दूर संचार तथा विद्युत विभागों से सम्बन्धित हैं।

सूखे की स्थिति के कारण रद्द की गई रेलगाड़ियां

231. **श्री मौर्जा इर्शादबेग**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सूखे की स्थिति के कारण गुजरात और अन्य राज्यों में कितनी रेलगाड़ियां रद्द की गई हैं और उनमें से कितनी रेलगाड़ियां पुनः आरम्भ कर दी गई हैं तथा शेष रेलगाड़ियों को कब तक पुनः आरम्भ कर दिये जाने की संभावना है; और

(ख) गुजरात में किन-किन रेलगाड़ियों को रद्द कर दिया गया है तथा इन रेलगाड़ियों के संबंध में क्या मांगें की गई हैं तथा इन रेल गाड़ियों को कब तक पुनः आरम्भ कर दिए जाने की संभावना है?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) और (ख) गाड़ियां न तो राज्य-वार चलायी जाती हैं और न ही रद्द की जाती हैं। अतएव, ये आंकड़ें राज्य-वार नहीं रखे जाते हैं।